वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 133 | रविवार 10 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने रामदेवरा मंदिर में पूजा अर्चना की

जयपुर/जैसलमेर. कासं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को जैसलमेर के रामदेवरा मंदिर पहुंचे। उन्होंने जयकारों के बीच लोक देवता बाबा रामदेव जी की समाधि स्थल के दर्शन और पूजा-अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली, सामाजिक सौहार्द, प्रेम भाईचारा और मानव कल्याण के लिए प्रार्थना की। गहलोत ने मंदिर में रामदेव जी के भजन सुनने के साथ परिसर में संचालित भोजनशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि देशभर में आस्था के केंद्र बाबा रामदेव मंदिर में राजस्थान सहित कई राज्यों के श्रद्धालु आते हैं। यहां पर व्यवस्थाएं पहले से बेहतर हैं। हमें यहां से देश को अखंड बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित कर रही है। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद, राजस्थान राज्य पशुधन विकास बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोलंकी, जोधपुर शहर महापौर कुंती देवड़ा परिहार उपस्थित थे।

के. एल. श्रीवास्तव बने राजस्थान यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक कुलपति

डॉ देव स्वरूप बने स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक कुलपति

जयपुर. कासं। राज्यपाल और राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति कलराज मिश्र ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. के.एल. श्रीवास्तव को राजस्थान यूनिवर्सिटी और बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ देव स्वरूप को स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति का चार्ज दिया है। जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी जोधपुर के कुलपति प्रो. केएल श्रीवास्तव ने शनिवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक कुलपति पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान यूनिवर्सिटी स्टाफ ने उनका स्वागत किया। इस दौरान श्रीवास्तव ने कहा कि मैं खुद भी एक शिक्षक हूं। ऐसे में राजस्थान यूनिवर्सिटी की प्रतिष्ठा को और ज्यादा बढ़ाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए हम सब मिलकर यूनिवर्सिटी के लिए काम करेंगे। ताकि राजस्थान यूनिवर्सिटी का नाम ना सिर्फ राजस्थान और देश बल्कि दुनियाभर में रोशन हो सके। वहीं राजस्थान यूनिवर्सिटी सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन ने कार्यवाहक कुलपति श्रीवास्तव की नियुक्ति का विरोध शुरू कर दिया है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि सरकार ने स्थाई कुलपति नियुक्त करने के बजाय कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया है। ऐसे में अगर सरकार को कार्यवाहक कुलपति ही बनाना था। तो जयपुर के आसपास की किसी यूनिवर्सिटी के कुलपति को ही अतिरिक्त चार्ज दिया जा सकता था। जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी जोधपुर के कुलपति राजस्थान यूनिवर्सिटी का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त करने का निर्णय छात्रहित में नहीं है। क्यों कि जयपुर से जोधपुर बहुत दूर है। जहां से आने जाने में कार्यवाहक कुलपति को काफी ज्यादा वक्त लगेगा। जिससे वह ना तो राजस्थान यूनिवर्सिटी और ना ही जोधपुर यूनिवर्सिटी में अच्छे से काम कर सकेंगे।

जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में परिष्कार कॉलेज के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

मिशन - 2030 के तहत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. कासं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विजन 2030 के लिए हर वर्ग से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष अभियान चलाकर सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, तकनीकी, शैक्षिक और औद्योगिक विकास योजनाओं का विजन डॉक्यूमेंट बनाने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है। 'राजस्थान मिशन - 2030' अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें परिष्कार कॉलेज के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्राचार्य प्रो. सविता पाईवाल ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय, जयपुर में आयोजित जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस के छात्र मोहित पालीवाल ने द्वितीय स्थान एवं परिष्कार इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के छात्र दिलीप सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। निदेशक डॉ. राघव प्रकाश ने छात्रों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी है।

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

मत खाना गुटखा, मत पीना शराब क्योंकि सवाल सिर्फ तुम्हारे मरने का नहीं है, तुम्हारे मरने पर एक स्त्री विधवा हो जाएगी, तुम्हारे बच्चे अनाथ हो जाएंगे, तुम्हारे माँ-बाप निपुते हो जाएंगे

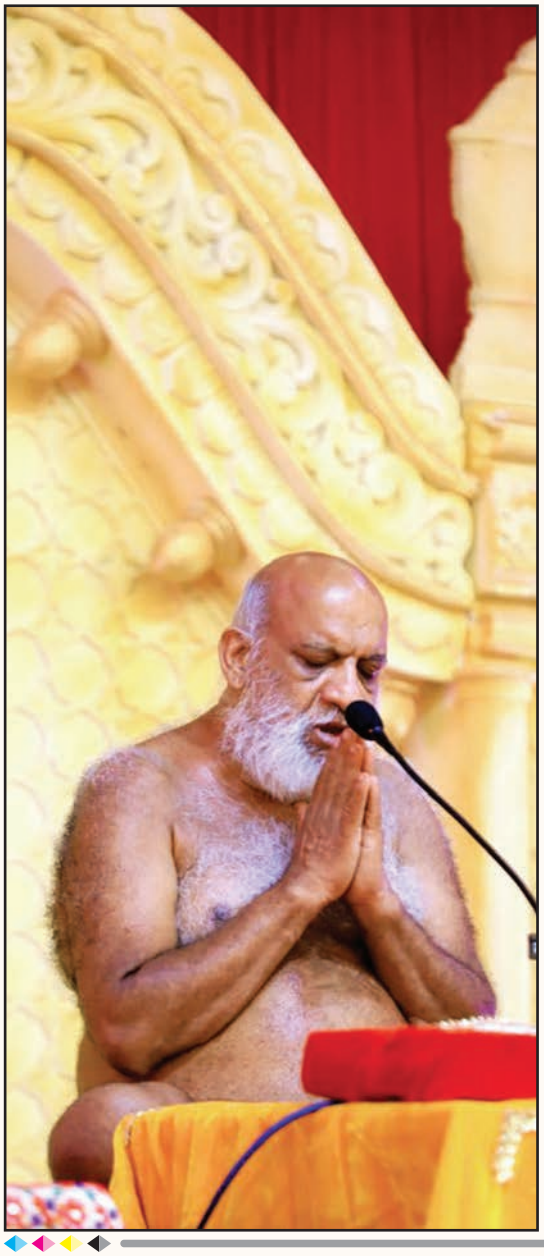

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि सारी सृष्टि के जीवों को चार भागो में बांटा है जो स्वयं दुखी है दूसरों को दुख देते है, स्वयं बुरे, गंदे,पापी है दूसरों को भी बुरा, गन्दा,पापी करते है, आप कुछ नही करते,दूसरों को भी निकम्मा बना देते है। मैं सुखी नही तो जगत को भी दुखी होना पड़ेगा ये विचारधारा वाले लोग भी दुनिया मे है और ऐसे लोगो के लिए सृष्टि ने नरको की व्यवस्था की। कितना ही बड़ा पापी क्यों न हो उस पापी को समझाया जा सकता है वो पापों से मुक्त हो सकता है लेकिन हम उस व्यक्ति की चर्चा कर रहे है जिसने स्वयं पाप करने के साथ दूसरे को भी पापी बना दिया, इसको नही नहलाया जाता,इसके पाप माफ नही होते। जिस समय तुम्हे इस तरीके के विचार आये समझ लेना तुम्हे नरक गति का बन्ध हो रहा है। यदि आपको नरक जाना हो तो ऐसे विचार करे और आये तो त्याग दे। मात्र इतना ही करे मैं दुखी हूँ, इसका दुख मनाओ, मैं सुखी हो जाऊँ ये कामना करो, कोई पाप नही। तुम कोई भी पाप करते हो, तुम्हारे उस पाप से कोई दूसरा तो पापी नही हो रहा है। बस इतना सा ध्यान रख लेना बाकी मैं तुम्हे पाप से मुक्त होने का रास्ता बता दूँगा। तुम पाप नही छोड़ पा रहे हो तो चलो एक काम करो पूरी ताकत लगा दो मैं पापी हूँ तो हूँ लेकिन मैं अपनी जिंदगी में किसी को पापी नही होने दूँगा। कभी दूसरे को मारना पड़े तो धर्म छोड़ देना,मंदिर छोड़ देना, सबकुछ छोड़ देना लेकिन तुम्हारे कारण से कोई मर न जाये। स्वयं के लिए साधु कितना कठोर होता है और दूसरों के लिए कितना कोमल होता है कि एक चींटी के लिए भी झुक जाता है,उसको बचा लेता है। अपनी वेदना पर जितना दुख होता है, दूसरों की वेदना पर उतना ही दुख हो जाये इसका नाम है महावीर, जैनदर्शन। हमारे आचार्य महाराज ने लिखा है दूसरों के कष्टों को देखकर जिसकी आँख में आँसू नही आते है वे नारियल के दो छेद के समान है, वे आँखे है ही नही। किसी की जिंदगी के लिए निमित्त बनना भी हत्या है चाहे तुमने मारा हो या न मारा हो तुम्हारे निमित्त से मरा है तो भी तुम हत्यारे हो। तुम समझते हो कि मैं थोडे ही क्रोध कर रहा हूँ लेकिन तुम दूसरे के क्रोध के लिए कारण बन रहे हो न, तुम्हे मालूम होते हुए भी। छुआ छूत की बीमारी जिनको हो,कन्वर्ट बुखार जिनको हो, उनसे मेरा बहुत करुणा दया करके कहना है सबसे पहले आप व्यवहार धर्म को छोड़ देना,भावों के धर्म को नही। जिंदगी भर के अभिषेक का नियम है बंद करे,आहारदान देने का नियम है बंद करे, मुनिराज के पैर छूना बंद करे,अपने आपको सीमित करे तो भली वो व्यक्ति मर जायेगा लेकिन वो अहिंसा का पुजारी मरेगा और मरकर स्वर्ग में पैदा होगा। मैं बीमार हुआ लेकिन दूसरे को बीमार नही होने दूँगा।तुम्हे अशुद्ध थे ये कोई पाप नही है लेकिन तुम्हारी अशुद्धि से एक शुद्ध आदमी अशुद्ध हो गया ये सबसे बड़ा पाप है, तुम भ्रष्ट हुए तुमने दूसरे को भ्रष्ट कर दिया। तुम महाराज के विहार में चल रहे हो और फिर रात्रि में खा रहे हो तो समझना तुम्हारी दुर्गति पक्की है क्योंकि तुम्ही बदनाम नही हो रहे हो, ये कहलवा रहे हो कि देखो महाराज की सेवा कर रहा है और फिर भी रात में खा रहा है। जिनके माँ-बाप जिंदा है यदि वे गुटखा खाते है तो उनको पाप का बन्ध ज्यादा होगा क्योंकि तेरे मरने पर माँ-बाप निपुते हो जायेगे, ये पाप गुटखा से ज्यादा है। गुटखा का पाप बहुत कम है लेकिन तेरे मरने से उनका बुढापा बिगड़ जाएगा,उनकी जिंदगी बिगड़ जाएगी वो बद्दुआ तुझे बर्बाद कर देगी क्योंकि तेरे माँ-बाप जिंदा है। यदि तुम्हारी शादी हो गयी हो तो कोई ऐसा कार्य मत करना जिससे तुम्हारी अकाल में मौत हो जाये, गुटखा,शराब आदि मत पीना क्योंकि सवाल तुम्हारे मरने का नही है, तुम्हारे मरने पर एक स्त्री विधवा हो जाएगी धर्मसभा में दिल्ली के ऋषभ विहार से आयी बालिकाओं ने भक्तिनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी साथ ही भक्ति नृत्य के बाद राष्ट्रगौरव के नाम से विख्यात श्रीमती इंदु जैन ने अमृत सुधासागर सभागार में मंगलाचरण की प्रस्तुति दी इस दौरान गुरुभक्तों ने गुरुदेव के चरणों में श्रीफल भेंट कियो धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा कियो धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी निर्मल मोठ्या,मनोज जैन बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी,पन्नालाल बैनाड़ा हीरालाल बैनाड़ा, जगदीश प्रसाद जैन, राजेश जैन सेठी, ललित जैन,आशीष जैन मोनू मीडिया प्रभारी शुभम जैन मीडिया प्रभारी,राजेश सेठी, शैलेन्द्र जैन,राहुल जैन,विवेक बैनाड़ा, ललित जैन,यतीन्द्र जैन,अमित जैन बॉबी, पंकज जैन, मुकेश जैन,अनिल जैन शास्त्री,रूपेश जैन,केके जैन,सचिन जैन,दिलीप जैन,अंकेश जैन,सचिन जैन,समस्त सकल जैन समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन, मीडिया प्रभारी**

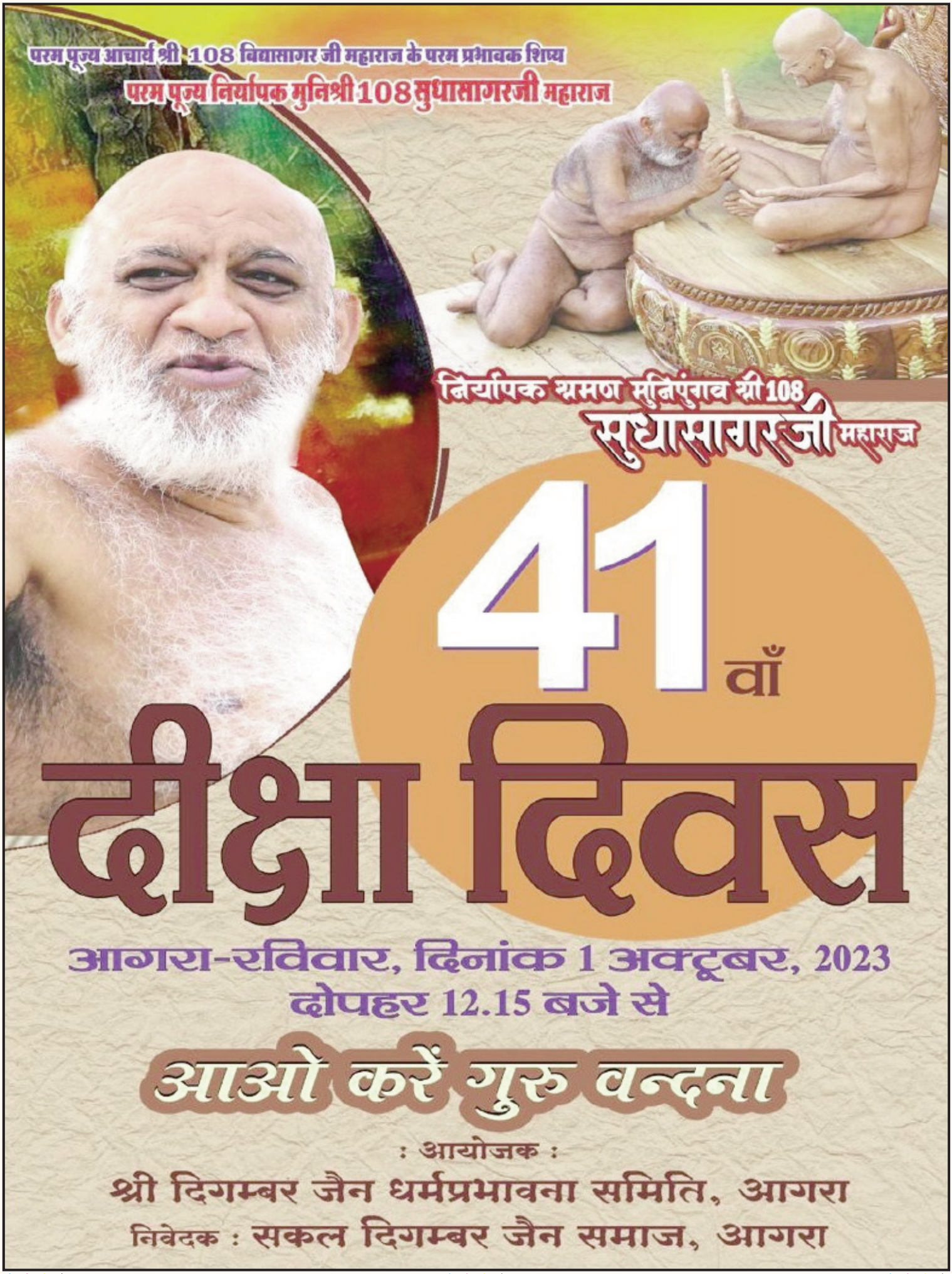
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

वेद ज्ञान

वाणी अनमोल उपहार

वाणी एक अनमोल उपहार है। जन्म-जन्मांतरों के पुण्यफल से वाणी की शुद्धता की दुर्लभ शक्ति भाग्यवान मनुष्यों को प्राप्त होती है। सदवाणी मनुष्य के इस दुर्लभ जीवन को धन्य कर देती है और दुर्वाणी इस जीवन को सदा-सदा के लिए कलंकित कर देती है। मनुष्य को वाणी ईश्वर ने केवल वैचारिक आदान-प्रदान के ही लिए नहीं दी है, बल्कि इसलिए भी दी है कि वह इससे स्वयं और उसके संपर्क में आने वाले व्यक्ति का कल्याण ही न करे, बल्कि जीवन के प्रति उसकी दृष्टि भी बदल दे। उसी वाणी का प्रयोग कर एक भिखारी भीख मांगता है, उसी का उपयोग कर एक अज्ञानी व्यक्ति डांट व फटकार खाकर जीवन से दुखी व उसके प्रति क्रोधित हो जाता है, जबकि उसी वाणी का प्रयोग व उच्चारण कर एक भक्त मंत्रसृष्टा बनकर अपने आराध्य का सानिध्य प्राप्त करने में सक्षम हो जाता है। एक वाणी का उपयोग कर दुख पाता है, जबकि दूसरा इसके उपयोग से दूसरों के दुख दूर करने में सहायक हो जाता है। हमारी वाणी से निकले शब्दों अथवा भाव संबंधी अभिव्यक्तियों को कोई क्षण भर के लिए भी याद नहीं रखना चाहता है, लेकिन नानक, कबीर, रैदास अथवा मीरा की सैकड़ों साल पहले कही गई वाणी को मिटाने, झुठलाने और भुलाने का साहस हममें आज भी नहीं हो सका है। आखिर इसका क्या कारण है? वस्तुतः वाक अर्थात वाणी एक प्रकार की दुर्लभ साधना है, लेकिन यह जीवन के लिए साधना बने या अभिशाप, यह निर्भर करता है इसके प्रयोक्ता पर। पवित्रता के व्रत को धारण करने वाले श्रेष्ठ मानव के मुख से निकला हुआ एक-एक शब्द जीव, जीवन व लोक के कल्याण में रामबाण औषधि का कार्य करता है। शब्द अथवा वाणी का सदुपयोग शक्ति, कल्याण व सकारात्मकता को जन्म देता है, जबकि इसका दुरुपयोग पीड़ा, पश्चाताप, आत्मग्लानि व जीवन में कुंठा, तनाव और ग्रंथि को पनपाता है जो शारीरिक व मानसिक कई प्रकार की व्याधियों का कारण बनता है। हम प्रयास करें कि वाणी का सदुपयोग इस रूप में किया जाए जो देश, गांव व समाज में जीवन-मूल्यों, आदर्शों व सद्संकल्पों की स्थापना में सहायक हो, यह देवत्व का पर्याय बने। तभी ईश्वर द्वारा दिए गए इस अनमोल उपहार की सार्थकता है।

संपादकीय

रैगिंग का रोग खत्म होने का नाम नहीं ले रहा...

नए सत्र में दाखिला लेने वाले छात्रों के साथ परिचय और मिलने-जुलने के नाम पर वरिष्ठ छात्रों की बदसलूकी यानी ''रैगिंग'' रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए। शिक्षण संस्थानों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि उनमें रैगिंग न होने पाए, इससे संबंधित प्रतिज्ञा भी संस्थान परिसर में लगाते हैं। विद्यार्थियों से इससे संबंधित वचन-पत्र भरवाए जाते हैं। इसके बावजूद रैगिंग का रोग खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। ताजा मामला हिमाचल प्रदेश के मंडी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी आइआइटी का है। पिछले महीने वहां के वरिष्ठ छात्रों ने नए आए छात्रों को बंद कमरे में देर तक मुर्गा बना कर रखा। इसके चलते कई छात्र दहशत में आ गए। छात्रों का कहना था कि ऐसा उन्होंने नए छात्रों के साथ मेलजोल बढ़ाने के लिए किया था। इस घटना की सूचना जब आइआइटी प्रबंधन को मिली तो उसने खबर को दबाए रखा और अपने स्तर पर गहन जांच कराई। अब करीब पचहत्तर छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक

कार्रवाई की गई है। कुछ को छह महीने के लिए संस्थान से बाहर कर दिया गया है, तो कइयों पर पंद्रह-पंद्रह हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है। निस्संदेह आइआइटी मंडी के प्रबंधन के इस कदम से संबंधित छात्रों को अपनी गलती का अहसास हुआ होगा और दूसरे संस्थानों के छात्रों को भी इससे सबक मिलेगा। दरअसल, कुछ साल पहले तक शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग का चलन आतंक का पर्याय बन चुका था। यह रिवायत-सी बन गई थी कि पुराने छात्र नए छात्रों से परिचय के नाम पर उन्हें प्रताड़ित किया करते थे, उनसे अशोभन हरकतें कराते, उनके साथ अभद्र भाषा में बात करते थे। तमाम शैक्षणिक संस्थान भी इसे एक आम चलन की तरह स्वीकार कर लेते थे। मगर इसके चलते बहुत सारे कोमल मन के विद्यार्थी दहशत से भर उठते थे। अनेक छात्रों ने रैगिंग के चलते खुदकुशी तक कर ली। जब यह सिलसिला बढ़ता गया तब अदालतों को संज्ञान लेना पड़ा और सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती के बाद शैक्षणिक संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी का अहसास हुआ। रैगिंग करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाने लगी। फिर भी छात्रावासों में ऐसी गतिविधियां चोरी-छिपे चलती रहीं। दरअसल, पुराने छात्रों ने रैगिंग को एक तरह से अपने मनोरंजन और अपनी कुंठा निकालने का माध्यम बना लिया था। इस पर कठोरता से रोक लगाने के प्रयासों से काफी हद तक ऐसी गतिविधियां रुकी हैं। मगर आइआइटी मंडी की घटना से जाहिर है कि यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि शैक्षणिक संस्थानों में नए-नए आए विद्यार्थियों का अपने वरिष्ठ विद्यार्थियों के साथ मेलजोल बढ़ना चाहिए। इससे पठन-पाठन का बेहतर वातावरण बनता है, कनिष्ठ विद्यार्थियों को वरिष्ठ विद्यार्थियों से काफी सहयोग मिल जाता है। मगर मेलजोल बढ़ाने का यह अर्थ कतई नहीं होता कि नए विद्यार्थियों को प्रताड़ित किया जाए, उन्हें अपमानित और उनके साथ अशोभन हरकतें की जाएं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आसियान

दक्षिण एशियाई देशों के संगठन आसियान-भारत के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने एक बेहतर ग्रह बनाने के लिए विभिन्न देशों के नेताओं के साथ मिल कर काम करने का संकल्प दोहराया। भारत इस सम्मेलन का सह-अध्यक्ष है। इसके ठीक बाद भारत की अध्यक्षता में दिल्ली में जी-20 का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। उसका घोष वाक्य भी वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरा विश्व एक परिवार है। आसियान के साथ भारत का संबंध पूरब के साथ मिल कर काम करने और आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने के संकल्प से जुड़ा हुआ है। दरअसल, विकसित कहे जाने वाले देश जिस तरह दुनिया पर अपना आर्थिक एकाधिकार जमाने की रणनीति बनाते रहे हैं, उसमें विकासशील और अविकसित देशों की क्षेत्रीय पहचान पर भी संकट गहराता गया है। ऐसे में दक्षिण पूर्व एशिया के देशों ने अपनी आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने और एकजुटता कायम करने के मकसद से यह संगठन बनाया था। शीतयुद्ध समाप्त होने के बाद इसके सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ती गई और अब ये देश व्यापारिक दृष्टि से खासी अहमियत हासिल कर चुके हैं। आसियान के साथ भारत का जुड़ाव न केवल व्यापारिक मकसद से, बल्कि पूर्वोत्तर में संतुलन साधने के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। आसियान और जी-20 में भारत की स्थिति कई मामलों में निर्णायक है। ऐसा इसलिए भी कि दक्षिण एशिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जो विकासशील और विकसित देशों के बीच मजबूत सेतु का काम करता है। हालांकि आसियान के पूर्वी संगठन से चीन और रूस के भी जुड़ाव हैं, मगर जो भूमिका भारत निभा पाता है, वह इन दो देशों से अपेक्षित नहीं है। इसके दस मूल सदस्य देशों इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, विएतनाम, लाओस, म्यांमा और कंबोडिया भी आर्थिक महाशक्तियों का वैसा ही दबाव महसूस करते रहे हैं, जैसा कि भारत पर वे बनाने का प्रयास करते हैं। भारत के साथ आसियान देशों की निकटता इसलिए भी है कि इनका आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक ताना-बाना काफी मेल खाता है और भारत न केवल उनकी व्यापारिक गतिविधियों, बल्कि क्षेत्रीय अस्मिता को भी पोसने में मदद करता रहा है। इन देशों के साथ भारत के कुल विश्व व्यापार का दस फीसद से ऊपर व्यापार होता है और वह इन देशों को ग्यारह फीसद से अधिक निर्यात करता है। आसियान दुनिया का तेजी से उभरता बड़ा उपभोक्ता बाजार है। चीन और भारत के बाद यहां दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति है। अगले कुछ सालों में यह दुनिया की चौथी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है। ऐसे में भारत की उससे निकटता आर्थिक बेहतरी की नई संभावनाएं पैदा करती है। आसियान में भारत की महत्त्वपूर्ण होती गई भूमिका एक तरह से चीन, रूस और अमेरिका जैसे देशों के लिए संकेत भी है कि वह बाहरी बाजार के लिए उन पर निर्भर नहीं रहेगा। मगर आसियान का उद्देश्य आर्थिक महाशक्तियों को इस तरह चुनौती देना नहीं, बल्कि उन्नत राष्ट्रों के साथ रिश्तों को मजबूत बनाना और शांतिपूर्ण ढंग से मतभेदों को दूर करना है। इसीलिए आसियान के आनुषंगिक मंचों से रूस, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों को भी जोड़ा गया। पूर्वोत्तर में जिस तरह चीन की दखल बनी रहती है, उसमें आसियान के जरिए उस पर अंकुश लगाने में काफी मदद मिलती रही है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर आसियान के मंच से यही संदेश दिया कि आपसी मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से निपटाया जाना चाहिए।

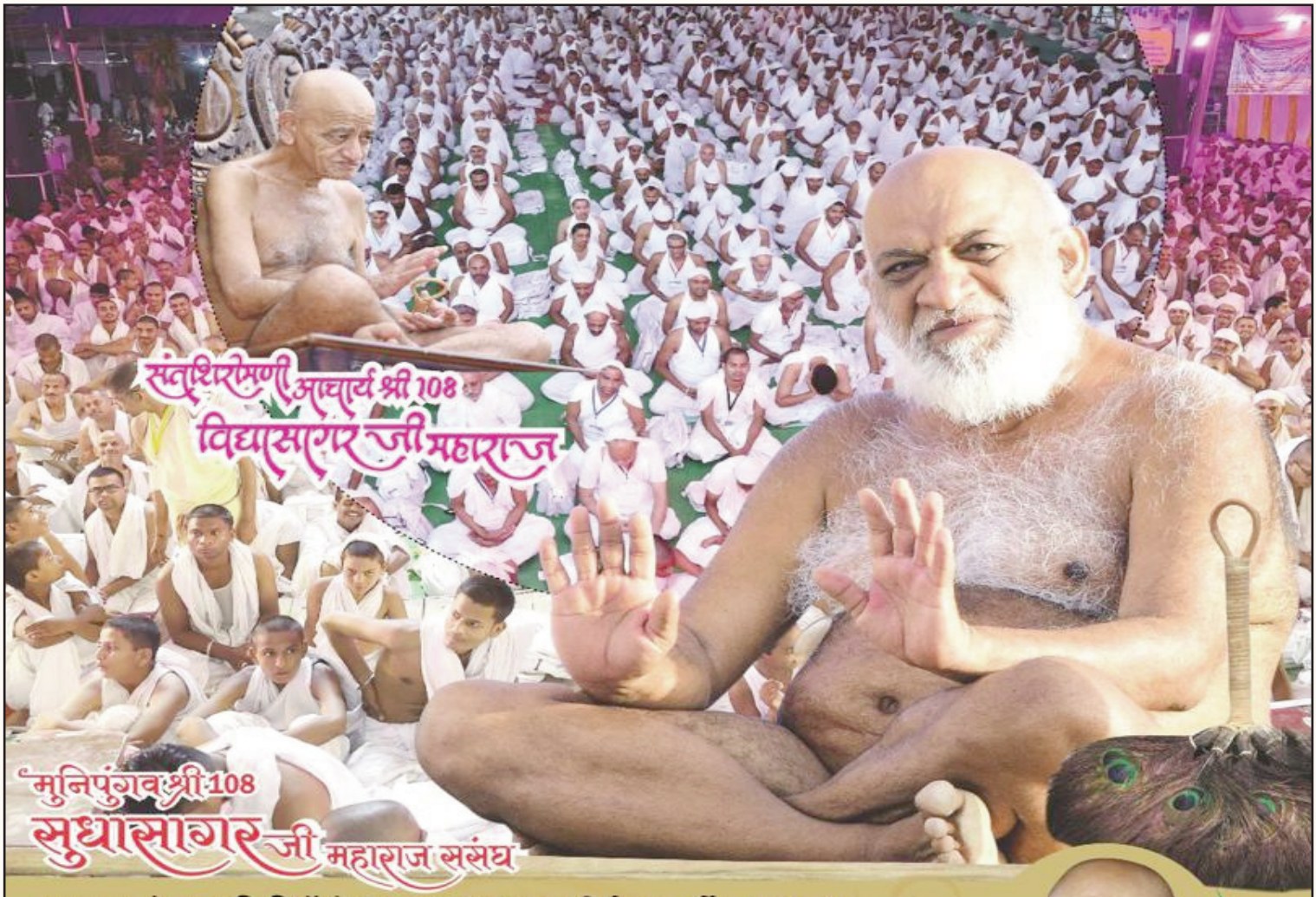

श्रावक संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
के मंगल सानिध्य में आगरा की पुण्य धरा पर

30 वां श्रावक शिविर संस्कार

आगरा–दिनांक 19 से 29 सितम्बर 2023 तक

– शिविर आयोजक स्थल–
श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज परिसर, हरीपर्वत, आगरा (उ.प्र.)

शिविर पुण्यार्जक

श्रावक श्रेष्ठी श्री निर्मल-उर्मिला, वीरेंद्र-उषा रेखा
रजत-आयुषी, रौनक-अदिति,
विभोर विन्नी हर्षिल द्रव्या जियांशी मोठ्या परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री हीरालाल-वीना,
दिवाय-कोमल, उत्कर्ष दिविषा काव्या
अर्हम बैनाडा परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री राजेश-रजनी,
निखिल-पूजा, शोभित-आरती,
कनिष्का हनीशा, आध्या सेठी परिवार

श्रावक संस्कार शिविर

निर्देशक
हुकम जैन 'काका'
94141-84618

निर्देशक
दिनेश गंगवाल
93145-07802

सुधा अमृत वर्षायोग–2023, आगरा

जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज का
41वां मुनि दीक्षा दिवस समारोह अश्विन वदी तृतीया
दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12:15 से मनाया जायेगा।

शिविर आयोजक:- श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा (उ.प्र.)

जैन सोशल ग्रुप सनशाइन संगिनी के तत्वाधान में जन्माष्टमी उत्सव राधा कुंज गार्डन में आयोजित किया गया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन सोशल ग्रुप सनशाइन संगिनी के तत्वाधान में जन्माष्टमी उत्सव राधा कुंज गार्डन में आज आयोजित किया गया। संस्था की अध्यक्ष श्रीमति आकांक्षा बुरड़ ने बताया जन्माष्टमी के इस उत्सव पर श्री कृष्ण भगवान की बहुत ही सुंदर झांकी बनाई गई और संपूर्ण गार्डन को मोर पंखों से सजाया गया। संस्था सचिव शोभंता मेहता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान एकल नृत्य, युगल नृत्य एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई । एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राखी, द्वितीय स्थान रूपल जी बंब ने प्राप्त किया। युगल नृत्य में प्रथम स्थान सुप्रिया बोहरा एवं दीपिका श्री श्रीमाल ने प्राप्त किया एवं द्वितीय स्थान मीनल जी व वर्षा ने प्राप्त किया। समूह नृत्य में प्रथम स्थान वर्षा एंड ग्रुप ने प्राप्त किया । बेस्ट राधा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिखा एवं द्वितीय स्थान सोनिका ने प्राप्त किया और बेस्ट कृष्ण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मीनल एवं द्वितीय स्थान दीपिका ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन रंजना बाबेल एवं ममता श्री श्रीमाल ने किया। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में प्रीति डेढिया और सीमा सांखला उपस्थित रहे।

दादूराम आश्रम में बरषोदी पर पुरी रात भजनो पर झूमे भक्त

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। कुदन दादू द्वारा जय राम दास महाराज आश्रम कूदन मे श्री सूरजन दास जी महाराज की सप्तमी बरषोदी समारोह पर हर साल की भांति इस साल भी बड़ी धूमधाम से मनाई गई। प्रकाश दास जी महाराज ने बताया कि संत सुरजन दास जी महाराज कि बरषोदी समारोह पर रात्रि जागरण हुआ जिसमें भजनों की रस धार बही और शनिवार दिनभर प्रसादी का कार्यक्रम चलता रहा जिसमें पुरे दिन प्रसादी व दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा।

''यात्रा अंतिम पड़ाव पर है''

यात्रा अंतिम पड़ाव पर है ।
डर मत, चलता चल,
यह तो बस अब तेरे पांव पर है।
पांवों के छालों को अब तो भूल,
ये तो बस अब मंजिल तक
के सफर की मात्र है,धूल
अपनी मेहनत पर भरोसा रख,
देख जरा उन पहाड़ों की और,
लगता है जैसे प्रकृति भी,
अब नए बदलाव पर है।
यात्रा अंतिम पड़ाव पर है।
उलगुलान का बिगुल बजा दे,
जीत तो बस तेरे अगले दांव पर है।
माना की अंधकार घना है,
पर प्रकाश का मार्ग भी तो,
अब उस पार तना है।
यात्रा अंतिम पड़ाव पर है।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

गोठी स्कूल में हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवर लाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्यावर के विद्यालय प्रांगण में आज हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इंटर हाउस की ये प्रतियोगिता जूनियर वर्ग जिसका विषय ''**हिंदी का अनिवार्य विषय होना उचित अथवा अनुचितर जबकि सीनियर वर्ग के लिए**'' चुनाव में नोटा की उपयोगिता उचित अथवा अनुचितर के साथ आयोजित की गई जिसमे लगभग 16 बच्चों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष में अपनी बात मनवाने के लिए अपने तरकश के खूब तीर चलाए और जानदार तर्कों के साथ अपनी बात को रखा। निर्णायक के रूप में विद्यालय के उप प्राचार्य धर्मेंद्र शर्मा, श्रीमती रेणु कोठारी एवं श्रीमती निर्मला माली ने अपनी भूमिका निभाई और परिणाम घोषित करते हुए नियंत्रक ललित कुमार लोढ़ा ने बताया कि प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग और जूनियर वर्ग में एक बार फिर से टैगोर हाउस के विद्यार्थियों ने अपनी वाकपटुता से विद्यालय प्रांगण को तालियों से गुंजायमान कर अपना परचम लहराया।

जैन सोशल ग्रुप अरिहंत द्वारा तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप अरिहंत की दिनांक 8 सितंबर को शाम को 7 बजे 50 यात्रियों के साथ जयपुर से सोनागिरजी, गोलाकोट की यात्रा बस से रवाना हुई। यह यात्रा जैन सोशल ग्रुप के रूबी हाउस के द्वारा संचालित की जा रही है। ग्रूप के अध्यक्ष राजकुमार सोगानी, उपाध्यक्ष अमरचंद दीवान एवं रूबी हाउस के सयोजक विजय बड़जात्या एवम लवलेश बड़जात्या संपूर्ण व्यवस्था की है ये यात्रा जैन सोशल ग्रुप द्वारा दिनांक 8 सितम्बर से 10 सितम्बर तक आयोजित की जा रही है। यात्रा के दूसरे दिन सभी ने सामूहिक रूप से सोनागिर में विराजमान 105 गणिनि आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी को श्रीफल भेटकर आशीर्वाद लिया तत्पश्चात ऊपर मंदिर जी में अभिषेक व शांतिधारा की तथा वंदना की ।

'अब चांद भी हमारा'

एम्बीशन किड्स, श्योपुर में सजीव झांकियों का मंचन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर श्योपुर रोड स्थित एम्बीशन किड्स एकेडमी में कृष्ण जन्माष्टमी से पूर्व दिवस पर सजीव झांकियों का मंचन किया गया जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों ने कृष्ण की विभिन्न लीलाएं प्रस्तुत की । इसमें सबसे पहले दृश्य में चंद्रयान से हिंदुस्तान ने कृष्ण राधा संग चन्द्र सतह पर तिरंगा फहराया और कहा अब चांद भी हमारा॥ एक अन्य झांकी में कृष्ण महिमा के तहत महाभारत का दृश्य दशार्या गया जिसमें कौरव - पांडवों के बीच राजसभा में चौसर का खेल हो रहा है, जिसमें युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव के अतिरिक्त दुर्योधन, कर्ण, महाराज धृतराष्ट्र, आचार्य द्रोण, आचार्य कृपाचार्य, महारथी विदुरआदि सभा में उपस्थित है और जिनके समक्ष कपटी शकुनी चाल चलकर पांडवों को सर्वस्व हारता हुआ दिखाया है वहीं दूसरी ओर राजसभा में इन सभी की उपस्थिति में दु :शासन द्वारा द्रोपदी चीर हरण का दृश्य भी दिखाया गया है और भगवान कृष्ण के द्वारा द्रोपदी का चीर बढाकर लाज बचाने का दृश्य भी दिखाया गया , जिसे देखकर सभी आगंतुक भाव विभोर हो उठे । वहीं झांकी के गोकुल गांव के दृश्य में ग्वालने माखन बिलो रही थी तो ग्वाले साथियों संग खेल रहे थे तो दूसरी ओर यशोदा मां नंद बाबा के साथ कृष्ण को पालने में झूल रही थी और भक्तिरस में डूबी हुई मीरा ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। झांकी के एक अन्य दृश्य में कृष्ण - रास का मंचन किया गया, जिसमें कृष्ण विभिन्न गोपियों संग रासलीला कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर एक अन्य दृश्य में गांव वासी राक्षसी पूतना के प्रकोप से हाहाकार मचा रहे थे और कृष्ण द्वारा पूतना का वध दिखाया गया। इससे पूर्व इन सजीव झांकियों का उद्घाटन प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी का काशवी एंटरप्राइजेज के श्री अनिल गौतम ने किया । इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डॉ एम एल जैन मणि ने सभी बच्चों को पुरस्कृत कर उत्साह वर्धन किया । संस्था प्राचार्या डॉ अलका जैन ने बताया कि आज के दौर में भगवान कृष्ण के गीता उपदेश के जरिए ही बेहतर जीवन व्यवस्था के साथ विकास का उच्च सोपान प्राप्त किया जा सकता है ।

उपाचार्य श्रीमती अनीता जैन ने कृष्ण जन्माष्टमी का महत्व समझाया और इस अवसर पर सभी बच्चों का फोटो सेशन भी किया गया और उन्हें प्रसादी एवं गिफ्ट का भी वितरण किया। यहां कान्हा का पालन झुलाकर सभी अभिभावकों एवं आगंतुको ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति भी दर्ज कराई। एंबीशन किड्स एकेडमी के निदेशक डॉ मनीष जैन ने बच्चों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की । अंततः संस्था सचिव डॉ शांति जैन ने सभी स्टाफ सदस्यों का सजीव झांकी की सफलता के लिए आभार व्यक्त करते हुए सभी आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य श्री ने श्रावको को ठहरने के स्थान पर जोर दिया हैः विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। उत्तर भारत के तीर्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं मुनिपुगंवश्री सुधासागरजी महाराज की छत्रछाया में पल्लवित ही नहीं पुष्पित हो रहें हैं यहां के जिनालयों के साथ तीर्थ क्षेत्रो को हरा-भरा करने के साथ ही तीर्थ यात्रियों को भी सभी तरह की सुविधाएं मिल रही है जबकि आज दक्षिण भारत में तीर्थो पर इन सुविधाओं का अभाव सा बना हुआ है ऐसे में आचार्य श्री ने उत्तर भारत की तरह ही दक्षिण भारत में तीर्थो को विकसित करने की प्रेरणा दी। वर्धमान कमेटी दक्षिण में इसी मिशन पर काम कर रही है आज जब दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी को देखा तो सपना सा लग रहा था क्या ये वही थूवोनजी जी है जहां आचार्य श्री ने चातुर्मास किया था आप लोग बहुत काम कर रहे हैं उक्त आश्य केउद्गार दिल्ली से पधारे वर्धमान कमेटी दिल्ली अतुल बड़जात्या ने व्यक्त किए। इसके पहले मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि दर्शनोदय कमेटी नेमावर तीर्थ पहुंच कर आचार्य श्री से थूवोनजी पधारने का निवेदन कर रही थी तो आचार्य श्री ने कहा कि वहां श्रावको के लिए आवास कहा है तब कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघाई ने कमेटी के साथ पचास अतिरिक्त कक्षा निर्माण करने का अपना संकल्प व्यक्त किया जिस पर निर्माण मंत्री विनोद मोदी के नेतृत्व में बहुत तेजी से कार्य हो रहा है।

नेट थियेट पर नन्द के आनन्द भयो

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट क्रार्यक्रमों की श्रृंखला में आज कृष्ण जन्मोत्सव पर ब्रज के कलाकार राधवल्लभ सक्सेना सरस ब्रजवासी ने अपनी मधुर वाणी से कृष्ण जन्म के लोकांचल भजन एवं बधाईयां सुनाकर लोगों को राधाकृष्ण की छवि से साक्षात्कार करवाया। नेट थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि सरस ब्रजवासी ने कार्यक्रम की शुरूआत ब्रज वन्दना यही ब्रजधाम है, विश्व कौ प्राण है सुनाकर ब्रज संस्कृति को जीवंत किया। उसके बाद उन्होनें कृष्ण जन्म की लीला को सुप्रसिद्ध जन्म लियो कृष्ण मुरारी ने, भादौ आधी रात जनम लियो बडे.ही मनोयोग से सुनाया। सरस ब्रजवासी ने बधाई गान जनम लियो यदुरइया, गोकुल में बाजै बधइया फिर शंकर भगवान का एक भजन आज ये गोकुल की गलियन में नाचै, योगी भतवालो, अलख निरंजन, खड़ा पुकारे, दखूंगौ यशोदा लाला इसके बाद उन्होंने नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैया लाला की और अंत मे वंदे ब्रज वसुंधरा,वंदे ब्रज वसुंधरा सुनाकर महौल को कृष्णमयी बना दिया। कार्यक्रम का संचालन ने राहुल गौतम ने किया। ढोलक पर पावन डांगी, तबले पर भानु कुमार राव, सिंथेसाइजर पर माधव सक्सेना और हैंड सोनिक पर भवानी डांगी ने असरदार संगत कर ब्रज संस्कृति का संगीतमयी रंग जमाया। स्वदेशी रसोई के निदेशक भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने कलाकारो का सम्मान किया। कार्यक्रम में फाइन आर्ट राजापार्क ने कृष्ण की अतिसुंदर छवि मुद्रण कर भेंट की। संयोजक नवल डांगी कैमरा मनोज स्वामी, संगीत सागर गढवाल, दृश्य सज्जा जीवितेश शर्मा, मनीष योगी और अंकित शर्मा नोनू रहे।

दीक्षार्थीयो की गोद भराई कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सान्नद सम्पन्न

जीवन के किसी भी पल में वैराग्य उमड़ सकता है : आचार्य विवेक सागर

अजमेर. शाबाश इंडिया। पंचायत छोटा धड़ा नसियां में श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार शाम को आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में 7 बाल ब्रह्मचारी भैयाओ की गोद भराई की रस्म हुई। आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज से करकमलों से यह सभी ब्रह्मचारी नवंबर में जैनेश्वरी दीक्षा लेंगे। प्रवक्ता पदम चन्द सोगानी ने बताया आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ के दर्शनाथ को पधारे सभी ब्रह्मचारी भईयाओ को मंच पर बिठाकर समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल, कोमल लुहाड़िया, नरेन्द्र गोधा, विनय पाटनी, राजेन्द्र पाटनी, ललित पाण्डया, सुमनेश दोसी, नीरज पाटनी, गौरव लुहाड़िया,राजेश दोसी, अंकित पाटनी,चिंटू गोधा, लोकेश ढिलवारी, अजय दोसी आदि ने माला साफा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया तत्पश्चात समाज की विभिन्न महिला मण्डल, संस्थाओं, पंचायत, समितियो एवं साधर्मी बन्धुओं आदि ने नारियल,गोला,फूल मखाने, बादाम,अखरोट, किशमिश आदि सामग्री से गोद भराई कर अनुमोदना की कार्यक्रम में विरेन्द्र बाकलीवाल, सुनील सोगानी,अशोक गोथा, ज्ञानचंद पाटनी, नितिन सेठी आदि उपस्थित थे। मंच संचालन नरेन्द्र गोधा व लोकेश ढिलवारी ने किया। इससे पूर्व आचार्य विवेक सागर महाराज ने कहा संयम अनुशासन का मार्ग है, संसार में मानव जन्म लेकर अपने दायित्वों और कर्तव्यों पूरा करने में प्रयासरत रहता है लेकिन उसकी सोच में परिवर्तन हो जाता है, जिसको अपना समझता है, वह कभी अपना होता ही नहीं है और जो हमारा अपना है उसको प्राप्त करने का प्रयत्न ही नहीं करता है इसलिये यह जीव कर्मों के संयोग से महान दुःखों को प्राप्त करता रहता है, पूर्ण रूप से निर्विकल्प सुख- शांति का एक ही मार्ग है मुनि दीक्षा, इसलिए कहा जाता है कि जीवन के किसी भी पल में वैराग्य उमड़ सकता है।

स्वतंत्रता सैनानी अर्जुन लाल सेठी की 143वी जन्म जयंती मनाई

भट्टारक जी की नसियां में आयोजित समारोह में राजपूत समाज, जैन समाज आदि ने मिलकर भावपूर्ण श्रद्धांजली अर्पित की । आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जैन समाज के एक क्रांतिकारी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

1857 की क्रांति से लेकर 15/08/1947 को देश की स्वतंत्रता में जैन समाज के लगभग 20 क्रांतिकारियों को फांसी के फंदे पर लटकाया गया। अर्जुन लाल सेठी का जन्म 9 सितंबर, 1880 ई. को जयपुर के एक जैन परिवार में हुआ था। 1902 में उन्होंने इलाहाबाद से बीए की परीक्षा पास की। इसके बाद वह चोमूँ के ठाकुर देवी सिंह के शिक्षक नियुक्त हुए। 1906 में उन्होंने लोगों को राजनीतिक शिक्षा देने के लिए जयपुर में वर्धमान विद्यालय की स्थापना की। प्रत्यक्ष रुप से वह एक धार्मिक विद्यालय था, किंतु वास्तव में यहां क्रांतिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता था। इस विद्यालय में न केवल राजस्थान से बल्कि देश के अन्य भागों से भी क्रांतिकारी प्रशिक्षण लेने आते थे। धीरे-धीरे अर्जुन लाल सेठी का स्कूल राजस्थान में क्रांतिकारियों की गतिविधियों का अड्डा बन गया। 23 दिसंबर 1912 को भारत के गवर्नर-जनरल लॉर्ड

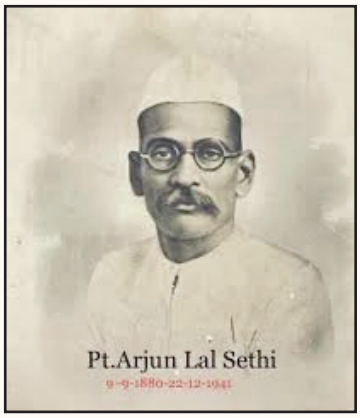

हार्डिंग का जुलूस दिल्ली में जब चाँदनी चौक से गुजरा, तभी उस पर बम फेंका गया। सामान्यतः यह माना गया था कि बम फेंकने वाले प्रसिद्ध क्रांतिकारी रास बिहारी बोस थे, किंतु वास्तव में यह बम राजस्थान के क्रांतिकारी ठाकुर जोरावर सिंह बारहठ ने बुर्का ओढ़कर चांदनी चौक में स्थित मारवाड़ी लाइब्रेरी से फेंका था। हार्डिंग बम कांड के सिलसिले में जो व्यक्ति बंदी बनाए गए, उनमें राजस्थान के प्रमुख क्रांतिकारी बालमुकुंद , मोतीचंद और विष्णुदत्त भी थे। इस मुकदमे के मुखबिर अमीरचंद ने अपनी गवाही देते समय यह रहस्य उद्घाटन किया कि षड्यंत्र की योजना अर्जुन लाल सेठी के द्वारा तैयार की गई थी। अतः सेठी को गिरफ्तार कर लिया गया। अर्जुन लाल सेठी के खिलाफ कोई सबूत ना मिलने से उन्हें सजा तो नहीं दी जा सकी, फिर भी बिना मुकदमा चलाए सेठी को जेल में बंद रखा गया। बाद में 5 अगस्त, 1914 को जयपुर के महाराज के आदेश से उन्हें 5 वर्ष का कारावास मिला। सरकार को भय था कि जयपुर जेल में अर्जुन लाल सेठी की उपस्थिति से जयपुर की शांति और व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है, इसलिए सेठी को वेल्लोर (मद्रास) जेल में भेज दिया गया। वेल्लोर में अर्जुन लाल सेठी ने राजनीतिक कैदियों के साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार के खिलाफ 70 दिन की भूख हड़ताल रखी। सन 1920 में जब राजनीतिक कैदियों को क्षमा किया गया तो सेठी को भी छोड़ दिया गया। जेल से आने के बाद अर्जुन लाल सेठी का कार्य स्थल अजमेर हो गया। उनके पास प्रसिद्ध क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद और उनके दल के लोग मार्गदर्शन के लिए आते थे। उन्होंने मेरठ षड्यंत्र कांड के अभियुक्त शौकत उस्मानी और काकोरी कांड के फरार अभियुक्त अशफाक उल्ला खाँ को अपने घर में शरण दी थी। अर्जुन लाल सेठी का 61 वर्ष की आयु में दिनांक 22/12 /1941 को अजमेर में हुई थी। आलेख में सहयोगी - डॉक्टर कोकिला सेठी पौत्रवधु श्री अर्जुन लाल सेठी, पं. अर्जुन लाल सेठी नगर जयपुर ।

संकलनः भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा पार्श्वनाथ विधान आज 10 सितम्बर को श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चुलगिरी में होगा भक्तिमय विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा रविवार, 10 सितम्बर को प्रातः 9 बजे से पार्श्वनाथ विधान का भव्य आयोजन श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चुलगिरी, जयपुर में किया जाएगा। ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका के अनुसार प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल, गायिका मंजू जैन तथा समता गोदिका द्वारा विधानाचार्य प्रकाश जैन के साथ साजो से भक्ति पूर्वक यह विधान करवायेंगे। सचिव अनिल संघी ने बताया कि कार्यक्रम के लिए मनीष -शोभना लोंग्या मुख्य समन्वयक, राजेश - रानी पाटनी व अनिल ज्योति जैन चौधरी, विनोद - शशि तिजारिया, राजेश - जैना गंगवाल तथा दिलीप - प्रमिला जैन को सयोजक बनाया गया है।

कष्ट का उपाय कषाय, कषाय की तीव्रता साधक के जीवन को नष्ट कर देती है : आचार्य विशुद्धसागर जी

मनोज नायक। शाबाश इंडिया

बड़ौत। क्रोध, कृपणता , क्रूरता, कलह, अहं शासक के शासन का अंत कर देती है। दानशीलता, स्नेह, क्षमा, समन्वय, और एकता शासक के शासन को वर्धमान करती है। ऐसे ही कषाय की तीव्रता साधक के जीवन को नष्ट कर देती है एवं रंच मात्र भी कषाय संयमी की साधना एवं विशुद्ध परिणामों का घात कर देती है। कषाय कष्टकारी होती है एवं कषायी का अंत दुखद ही होता है। यह उद्गार बड़ोत उत्तर प्रदेश में चातुर्मास कर रहे दिगंबर जैन आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने प्रवचन सभा में प्रवचन देते हुए व्यक्त किये। कषाय की विस्तृत व्याख्या करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि कषाय युक्त जीव का यह भव एवं परभव दोनों ही दुखद होते हैं क्योंकि क्रोध ,कषाय सर्वनाशकारी होती है एवं भावों की, विशुद्धी का घात कर देती है। कषाय आत्म कल्याण में बाधक है। विकल्पों से शून्य दिगंबर प्रज्ञा का धारक, साधक कषाय को कालकूट जहर से भी अधिक घातक मानता है। सज्जन मानव सरलता, शांतता,और नैतिकता पूर्ण जीवन जीते हैं जबकि दुर्जन का जीवन कलुषता युक्त ही होता है। स्वभाव की प्रचंडता, वैर भाव, झगड़ालू वृत्ति, क्रूरता, दुष्टता, अडियल पन, कषायों की उग्रता, अनैतिकता, कषायशील दुर्जन की पहचान है। जो समझाने पर भी सत्याचरण न करें वही दुष्टता का चिन्ह है। प्रवचन सभा में इंदौर के वरिष्ठ समाजसेवी आजाद जैन बीड़ी वाले, टी के वेद, डॉ जैनेंद्र जैन, पंडित विकास छाबड़ा, एवं डोषी जी आदि गणमान्य उपस्थित थे।